भारत सरकार

भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्रालय

भारी उद्योग विभाग

राज्य सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 203

जिसका उत्तर बृहस्पतिवार, 25 फरवरी, 2016 को दिया जाना है

पिंजौर स्थित एचएमटी ट्रैक्टर्स का खराब कार्य-निष्पादन

203. श्री डी० राजा:

क्या भारी उद्योग और लोक उद्यम मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि पिंजौर स्थित एचएमटी ट्रैक्टर्स को धनराशि की भारी कमी का सामना करना पड़ रहा है और प्रति वर्ष 8,500 ट्रैक्टर्स-निर्माण की क्षमता की तुलना में यह प्रति वर्ष लगभग केवल 1200 ट्रैक्टर्स का ही निर्माण कर रहा है, जिसके कारण देश में प्रति वर्ष लगभग 6,25,000 ट्रैक्टर्स के कुल उत्पादन में से एचएमटी का मार्केट शेयर मात्र 0.25 प्रतिशत रह गया है;

(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और एचएमटी ट्रैक्टर्स के खराब कार्य-निष्पादन क्या कारण है; और

(ग) इन समस्याओं का समाधान करने तथा कंपनी का पुनरुद्धार करने के लिए क्या उपाय किए जा रहे हैं?

उत्तर

भारी उद्योग और लोक उद्यम राज्य मंत्री

(श्री जी. एम. सिद्देश्वर)

(क) और (ख): जी, हां। पिंजौर स्थित एचएमटी ट्रैक्टर्स धन की भारी कमी का सामना कर रहा है जिसके कारण ट्रैक्टर कारोबार का निष्पादन गंभीर रूप से प्रभावित हुआ है और इसके बाजार हिस्से में कमी आई है। ट्रैक्टर डिवीजन की बर्षवार बिक्री निम्नवत है:-

वित्तीय वर्ष	बेचे गए ट्रैक्टरों की संख्या
2010-2011	4920
2011-2012	3639
2012-2013	2005
2013-2014	1488
2014-2015	1127
(दिसम्बर, 2015 तक)	625

पिछले वर्षों में पुरानी और अप्रचलित मशीनों के कारण योजना की विनिर्माण क्षमता में कमी आई है। इसके अतिरिक्त, कार्यशील पूंजी की अत्यधिक कमी, अधिशेष जनशक्ति, उच्च औसत कर्मचारी आयु, प्रति कर्मचारी कम टर्नओवर, कड़ी प्रतिस्पर्धा आदि की वजहों से खराब कार्य-निष्पादन हुआ है।

(ग): एचएमटी बोर्ड ने अपनी बैठक में अन्य बातों के साथ-साथ, मशीन टूल्स सेक्टर पर ध्यान देते हुए एचएमटी लिमिटेड का पुनर्गठन करने का सुझाव दिया है।

****